राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शोध संभावनाएँ

(Research Eventuality in National Education Policy 2020)

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी
कुलपति
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली

प्रो. रमाकान्त पाण्डेय
निदेशक
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
भोपाल परिसर

प्रो. नीलाभ तिवारी
समन्वयक, शोधकेन्द्र
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर

आमंत्रित विद्वज्जन

प्रो. रवीन्द्र काव्हेरे
अध्यक्ष, ए.एफ.आर.सी, भोपाल

प्रो.लोकमान्य मिश्र
संकाय प्रमुख, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा,
के.सं.विश्वविद्यालय

प्रो.प्रभादेवी चौधरी
पूर्वविभागाध्यक्ष, रा.सं.संस्थान, भोपाल

प्रो. विरुपाक्ष वी.जड्डीपाल
सचिव, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद-विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

प्रो.वेदनारायण चौधरी
पूर्वविभागाध्यक्ष, रा.सं.संस्थान, भोपाल

डॉ.निताइ चरण ओझा
सहाचार्य, आर.आई.ई. भोपाल

राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शोध संभावनाएँ

(Research Eventuality in National Education Policy 2020)

19-20 फरवरी 2024

परामर्श मण्डल

प्रो. सोमनाथ साहु
प्रो. अशोक कुमार कछवाह
डॉ. कृपाशंकर शर्मा

समन्वयिका

डॉ. रजनी वी.जी.
8516998734

सचिव

डॉ. गोविन्द सरकार
9153368235

पंजीकरण शुल्क :-

1. बाह्य प्राध्यापकों के लिए रु. 500

2. बाह्य शोध छात्रों के लिए रु. 300

3. भोपाल परिसर के शोध छात्रों एवं प्राध्यापकों के लिए निःशुल्क है।

4. पंजीकरण Google Form के माध्यम से होगा।
Link: **https://forms.gle/qPKjbujqWoPf4RMx5**

5. पंजीकरण शुल्क - ऑफलाइन जमा करना होगा।

6. पंजीकरण की अंतिम तिथि: 14-02-2024 (सायं 5 बजे तक)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शोध संभावनाएँ

(Research Eventuality in National Education Policy 2020)

19-20 फरवरी 2024

शोधकेन्द्र

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

भोपाल परिसर

संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपाल, मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शोध संभावनाएँ
(Research Eventuality in National Education Policy 2020)

भारत सरकार के द्वारा संस्कृत आयोग की संस्तुति के आधार पर 15.10.1970 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना की गई तथा वर्ष 2002 में इस संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया गया। तत्पश्चात् भारत सरकार ने संसद के अधिनियम द्वारा वर्ष 2020 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में अधिनियमित किया। इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत 12 परिसर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। जिसमें मध्यभारत का प्रतिष्ठित परिसर है भोपाल परिसर।

वर्ष 2002 में स्थापित भोपाल परिसर में शिक्षाशास्त्र, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, दर्शन सहित अनेक आधुनिक विभाग भी संचालित हैं। वर्ष 2003 से शिक्षाशास्त्र विभाग संचालित है। यह मध्यभारत में संस्कृत शिक्षाशास्त्र के लिए प्रमुख केंद्र है। इस विभाग में शिक्षाशास्त्र, शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि आदि उपाधियों का अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान सदैव चलता रहता है। वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के क्रियान्वयन की दृष्टि से शिक्षाशास्त्र विभाग नए पाठ्यक्रम जैसे- ITEP, P.G. Diploma in ECCE आदि का प्रारंभ करने की ओर प्रयासरत है। वर्तमान में शोध नीति के तहत शिक्षाशास्त्रीय शोध छात्रों के प्राक्शोधपाठ्यक्रम का भी संचालन परिसर के द्वारा किया जा रहा है।

2020 की राष्ट्रीय शिक्षानीति वास्तविक अर्थों में राष्ट्रीयता से और भारतीयता से परिपूर्ण है । भारत की शिक्षा व्यवस्था को पश्चिमीकरण की अंधी दौड़ से मुक्त कर राष्ट्र को वैश्विक महाशक्ति के रूप में पुनःस्थापित करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 का गुणवत्ता पूर्ण क्रियान्वयन अत्यावश्यक है। शोध एवं नवाचार इस हेतु मार्ग प्रशस्त करता है। पाणिनि, पतञ्जलि, आर्यभट्ट, शंकु जैसे विद्वानों का निर्माण करने हेतु शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन इस नीति के आलोक में करना होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा विशेषतः संस्कृत वाङ्मय के अध्येताओं की भूमिका इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए अतीव महत्वपूर्ण है। अतः राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 में शोध संभावनाओं पर अन्वेषणपरक चिन्तन एवं विचार विमर्श हेतु यह संगोष्ठी नितान्त आवश्यक प्रतीत होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शोध संभावनाएँ
(Research Eventuality in National Education Policy 2020)

मुख्य विषय को अनेक उपविषयों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

उपविषय -

राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में.....

- विद्यालय शिक्षा में शोध संभावना ।
- उच्च शिक्षा में शोध संभावना।
- शिक्षक शिक्षा में शोध संभावना।
- भाषा शिक्षा में शोध संभावना।
- समग्र एवं आनंददायक शिक्षा में शोध संभावना।
- पंचकोश एवं पंचपदी में शोध संभावना।
- आकलन एवं मूल्यांकन में शोध संभावना।
- प्रविधि में शोध संभावना।
- भारतीय ज्ञान परंपरा में शोध संभावना।
- शिक्षण शास्त्र में शोध संभावना।
- गुरुकुल/पाठशाला पद्धति की शिक्षा में शोध संभावना।
- कला, संस्कृति शिल्प में शोध संभावना।
- कौशल विकास में शोध संभावना।
- प्रेरित सक्षम संकाय में शोध संभावना।
- व्यावसायिक शिक्षा में शोध संभावना।
- प्रभावी शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबंधन में शोध संभावना।
- सरकार और समाज की भूमिका में शोध संभावना।
- अनुसंधान, नियामकप्रणाली में शोध संभावना।
- मानक निर्धारिणादि में शोध संभावना।

शोध पत्र हेतु आवश्यक निर्देश

- शोध पत्र की भाषा- संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी
- टंकण प्रक्रिया- MS Word में Unicode (संस्कृत/हिन्दी), अंग्रेजी- Times New Roman, Font- 14 (संस्कृत/हिन्दी), 12 (अंग्रजी)
- शोधपत्र में क्रमशः शीर्षक, नाम, पद, संस्था, दूरवाणी, ई-मेल, शोधसार, सङ्केतशब्द, भूमिका, उद्देश्य, विधि, विश्लेषण, निष्कर्ष, सन्दर्भ एवं सन्दर्भ ग्रन्थ सूची रहेंगे।
- पूर्ण शोध पत्र Word एवं PDF दोनों को अधोलिखित ई-मेल पर 18/02/2024 तक प्रेषित करें।
- ई-मेलः- rc_bpc@csu.co.in

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शोध संभावनाएँ
(Research Eventuality in National Education Policy 2020)

कार्यक्रम विविरण

दिनांक - 19.02.2024

प्रथम सत्र (उद्घाटन)
10:00 बजे से 11:15 बजे तक
चायपान
11:15 बजे से 11:30 बजे तक
द्वितीय सत्र(विशिष्ट व्याख्यान)
11:30 बजे से 01:00 बजे तक
मध्याह्न भोजन
01:00 बजे से 02: बजे तक
तृतीय सत्रस (पत्र वाचन)
02:00 बजे से 03:30 बजे तक
चाय पान
03:30 बजे से 03:45 बजे तक
चतुर्थ सत्र (पत्र वाचन)
03:45 बजे से 05:15 बजे तक

दिनांक - 20.02.2024

पंचम सत्र (विशिष्ट व्याख्यान)
10:00 बजे से 11:30 बजे तक
चाय पान
11:30 बजे से 11:45 बजे तक
षष्ठ सत्र (पत्र वाचन)
11:45 बजे से 01:00 बजे तक
मध्याह्न भोजन
01:00 बजे से 02:00 बजे तक
सप्तम सत्र (पत्र वाचन)
02:00 बजे से 03:30 बजे तक
चाय पान
03:30 बजे से 03:45 बजे तक
अष्टम सत्र (सम्पूर्ति सत्र)
03:45 बजे से 05:15 बजे तक